Vijay Kumar Jha.
Asso. Prof
Department of History
V.S.J. College Rajnagar
Degree Part I.

Downfall of Mauryan Empire.

अशोक के मृत्योपरान्त मौर्य साम्राज्य का पतन आरम्भ हो गया। उत्तर पश्चिम के प्रदेश पृथक हो गये दक्षिण के आंध्रों ने विद्रोह करके स्वतंत्र राज्य स्थापित कर लिया। मौर्य सेनापति पुष्यमित्र ने अंतिम राजा बृहद्रथ को वध कर सत्ता हथिया ली। चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा विस्तृत साम्राज्य ताश के पत्ते कि तरह ध्वस्त हो गया। सिर्फ 50 वर्षों में विस्तृत मौर्य साम्राज्य का नष्ट हो गया एक ऐसी घटना है जिसके विनाश के कारणों कि जानना आवश्यक माना जाता है। वैसे मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण अशोक से पूर्व ही वर्तमान था किन्तु अशोक के बाद ये कारण स्पष्ट हो गया।

① अशोक की शांति नीति : — अशोक ने साम्राज्यवादी नीति को त्याग कर धर्म विजय कि स्थापना की इससे साम्राज्य कि सैन्य शक्ति पर दुष्प्रभाव पड़ा ऐसी स्थिति मे बैक्ट्रिया के यूनानी शासकों को आक्रमण करने का मौका मिला। कलिंग विजयोपरान्त अशोक ने धर्म विजय कि नीति अपनाया जो उनके सहृदयता का परिचायक था। यदि अशोक शांति नीति को नहीं अपनाता तो भी अन्य कारणों से मौर्य साम्राज्य का पतन अवश्यम्भावी था। इसके अतिरिक्त अशोक कि शांति नीति दुर्बलता का प्रतीक नहीं था बल्कि प्रभावकारी था। यदि अशोक योग्य नहीं होता तो 40 वर्षों तक वह शासन नहीं करता। उसने ऐसा नाम किया कि दो हजार वर्ष बीत जाने के बाद भी अशोक का नाम अमर है।

② दुर्बल उत्तराधिकारी : — अशोक कि शांति नीति मौर्य साम्राज्य के लिये पतन के लिये उत्तरदायी नहीं थी बल्कि इसके लिये उसके दुर्बल उत्तराधिकारी उत्तरदायी थे। अशोक के बाद उसके जो उत्तराधिकारी हुए वे शक्तिशाली नहीं थे जो वे विशाल साम्राज्य कि एकता को अक्षुण्ण नहीं रख सके।

Scanned with Can

(3) राजकोष कि रिक्तता :— अशोक पर यह आरोप है कि उसके धर्म प्रचार के कार्य से राजकोष रिक्त हो गये जिसका उसके मंत्रीमंडल ने विरोध किया। लेकिन निर्माण एवं लोक कल्याणकारी महत्वपूर्ण कार्य थे अतः इस कार्य में धन खर्च आवश्यकता नहीं थी और कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है कि इन्हीं कार्यों से राजकोष रिक्त हो गया।

(4) ब्राह्मण प्रतिक्रिया :— एच० पी० शास्त्री का मत है कि मौर्य साम्राज्य कि पतन के कारण ब्राह्मणों कि प्रतिक्रिया थी उसने पशु वध निषेध कर दिया जो ब्राह्मणों के लिये आपत्तिजनक था। अशोक ने धर्म प्रचार के लिये धर्म महामात्रों कि नियुक्ति किया जिससे ब्राह्मण नाराज थे और वे धर्म प्रचार करना अपना विशेषाधिकार समझते थे अशोक के दंड समान व्यवहार से ब्राह्मण वर्ग असंतुष्ट था क्योंकि अशोक ने सभी वर्गों के लिये समान दंड विधान बनाया था। किन्तु डॉ० राय चौधरी ने इस मत का खंडन किया है और कहा है कि पशुवध का निषेध अशोक से पूर्व भी ऋषियों ने किया था अतः अशोक का यह कार्य ब्राह्मण विरोधी नहीं था। धर्म महामात्र सिर्फ धार्मिक कार्य ही नहीं करते थे बल्कि प्रशासनिक कार्य भी करते थे ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि धर्म महामात्र के पद पर सिर्फ अब्राह्मण ही नियुक्त होते थे या ब्राह्मण महामात्र नहीं बनाये जाते थे मौर्य ने सेनापति के पद पर पुष्यमित्र को नियुक्त किया था जो ब्राह्मण था अतः ब्राह्मणों को अशोक के प्रति जातिगत द्वेष नहीं हो सकता।

(5) मौर्य साम्राज्य का केन्द्रीकरण :— मौर्य साम्राज्य के पतन के लिये केन्द्रीकरण उत्तरदायी था। विस्तृत मौर्य साम्राज्य के लिये तथा एकता और सुरक्षा के लिये केन्द्रीय सरकार आवश्यक थी किन्तु केन्द्रीकरण के कारण राजा कि शक्ति में वृद्धि हुई और वे व्यवहार में निरंकुश हो गया। अशोक के बाद मौर्य साम्राज्य अयोग्य और दुर्बल थे अपरिमित शक्ति को वे संभाल नहीं सके।

(6) प्रशासनिक दुर्बलता :— मौर्य साम्राज्य विशाल था संचार साधन तथा यातायात के कठिनाइयों के कारण दूरवर्ती प्रदेशों पर नियंत्रण नहीं रह सका। इसका अशोक के बाद नियंत्रण और भी ढीली हो गई

MAY 2019

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

Scanned with Cam

और सीमावर्ती प्रदेश एक एक कर निकल गया।

(7) प्रान्तीय शासकों का अत्याचार :- दूरस्थ प्रान्तों में शासकों का अत्याचार साम्राज्य विघटन के एक अलग समस्या थी। सुदूर प्रान्तों के शासक प्रजा हित पर ध्यान नहीं देकर एक समस्या पैदा कर दिया था। सामान्य की प्रजा पर अनेकानेक अत्याचार करते थे अकारण लोगों को दंड देते थे, प्रजा को पुत्रवत नहीं समझते थे।

(8) करों का बोझ :- भारी कर प्रणाली मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण थे। कौटिल्य के शासन प्रणाली में धन कि अधिक आवश्यकता थी जिसे प्रजा पर उगाही कर ही प्राप्त किया जा सकता था जिससे प्रजा असंतुष्ट थे क्योंकि उनके उपज से अधिक अंश राजकोष चला जाता था।

(9) उत्तर पश्चिम सीमा की उपेक्षा :- अशोक धर्म प्रचार के कारण पश्चिमोत्तर सीमा कि सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया। साम्राज्य के विघटन यह एक विघटनकारी कारण था इसी 206 ई० पू० में भारत पर बैक्ट्रिया का आक्रमण हुआ।

(10) सुदूर क्षेत्रों में भौतिक ज्ञान का ~~असमान~~ प्रसार :- सुदूर क्षेत्र में लोहे के अस्त्र शस्त्र तथा औजार प्रयोग होने लगा जिससे वो लोग अपना विकास स्वयं करने लगा और शुंग, सातवाहन कण्व आदि मध्य भारत में चेदि कलिंग में उत्थान करने लगे।

(11) राष्ट्रीय भावना में कमी :- मौर्य साम्राज्य के पतन राष्ट्रीय भावना कि अभाव के कारण हुआ क्योंकि विषम परिस्थिति में अगर लोगों में राष्ट्रीयता का अभाव होतो पतन अवश्यम्भावी हो जाता है। मौर्य साम्राज्य में इस भावना कि कमी थी। साम्राज्य के शक्ति का प्रभाव समाप्त हो गया था क्योंकि राजकीय पद वंशानुगत थे।

Scanned with Can